R.N.I. No. DELHIN/2004/13308 डाक पंजीयन संख्या DL (N) 06/0052/05

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

बाबोसा दर्शन

समर्पण, संगठन और समाचारों का मासिक संगम

वर्ष : 13 अंक : 08-09-10 फरवरी-मार्च-अप्रैल 2017 मूल्य : 10/- प्रति

श्रद्धा, भक्ति, उमंग और उत्साह से मनाया गया श्री बाबोसा जन्मोत्सव

मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में ❋ दिल्ली सहित देश के विभिन्न शहरों में कार्यक्रम

कोलकाता–1 फरवरी–2017, आज यहाँ फोरसर रोड, हावड़ा में विशाल प्रांगण में श्री बाबोसा भगवान के जन्मोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन स्थल पर भव्य पंडाल को हजारों गुब्बारों से सुसज्जित किया गया था। सुनहरे रंग का भव्य दरबार अपनी अलग छटा बिखेर रहा था। दरबार के मध्य में श्री बाबोसा भगवान की मनमोहक प्रतिमा विराजित की गई थी। पंडाल निर्माण का कार्य कई दिनों पूर्व प्रारंभ हो गया था, जिसमें बाबोसा भक्तों के साथ सैकड़ों कारीगरों की मेहनत लगी।

परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी लगभग 10 बजे पंडाल में पधार गये। उन्होंने गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्जवलित किये। श्री अजय बैद एवं अरूण सुराणा ने श्री बाबोसा भगवान के जाप एवं मंत्रों से माहौल को जब बाबोसामय बना दिया तो श्री प्रकाश भाई जी ने ज्योत प्रज्ज्वलित की। ज्योत प्रज्ज्वलन के साथ ही श्री राजू मेहरा ने गणेश वेदना करते हुए कार्यक्रम का शुभांरभ किया। तत्पश्चात् उन्होंने माता जी एवं हनुमान जी के भजन प्रस्तुत करते हुए बाबोसा भगवान के भजन प्रांरभ किये।

इसी बीच परम आराधिका मंजु बाईसा का पदार्पण हुआ। भक्तों ने पुष्प वर्षा कर बाईसा का हार्दिक स्वागत किया। बाईसा मध्य मार्ग से भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हुए दरबार की तरफ धीरे–धीरे अपने कदम बढ़ा रही थीं। जिन भक्तों के सिर पर बाईसा का हाथ आ जाता, वो स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली मान रहे थे। दरबार में पधार कर बाईसा ने अपना आसन ग्रहण किया।

अब श्री राजू मेहरा ने भजनों का कार्यक्रम पुनः प्रारंभ किया। उन्होंने बाईसा के स्वागत में "प्यार तेरा मिला, दिल की कलियां खिली, बाबोसा के रूप में हमें बाईसा मिली" गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् बाबोसा है डोर तेरे हाथों में, नचाये जा नचाये जा नचाये जा" गीत प्रस्तुत किया। पंडाल भक्तों से खचाखच भर गया, तो जन्मोत्सव के माहौल के भजन प्रस्तुत किये। "खुशियां मनाओ, चंग ढोल बजाओ सारे झूम के गाओ भक्तों, ये उत्सव रोज नहीं आता", "म्हाने तो इब नाचन दे" इत्यादि भजनों पर पूरा पंडाल थिरक उठा। जब श्री राजू मेहरा ने आह्वान किया तो पंडाल का एक–एक भक्त अपने–अपने स्थान पर जन्मोत्सव की खुशी में नृत्य करने लगा।

"और जब उन्होंने भावनापूर्ण तरीके से आह्वान किया कि "जन्मोत्सव है, बाबोसा को बुलाओ ना–मंजु बाईसा, अरदास लगाओ ना" प्रस्तुत किया

शेष पृष्ठ 2 पर

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

कोलकाता कार्यक्रम के कुछ दृश्य

पृष्ठ 1 का शेष

तो बाबोसा भगवान ने भक्तों की करूणा पुकार पर करूणा बरसाते हुए अपने अलौकिक दर्शन प्रदान किये। भक्त उनके दिव्य दर्शन कर आनंद की अनुभूति कर रहे थे। हजारों निगाहें प. आ. मंजु बाईसा पर केंद्रित हो गईं। और जब बाबोसा भगवान ने अपने वरद–हस्त उठा कर भरक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया तो भक्तों ने झोलियां फैला कर आशीर्वाद रूपी अनमोल खजाने से अपने दामन भर लिये।)

दिव्य दर्शन के पश्चात् भजनों का सिलसिला पुनः प्रारंभ हो गया। श्री अनिल लाटा ने एक रोचक नृत्य–नाटिका प्रस्तुत की, जिसके भाव थे कि एक बाबोसा भक्त ब्रज धाम जाता है। वहाँ वह जब भगवान कृष्ण के दर्शन करता है तो उसके मन में भी ये भाव जागृत होते हैं कि काश उसे यहाँ बाबोसा भगवान के दर्शन हो जायें। इसी भावना पर देखते–ही–देखते भगवान कृष्ण रूप बदल कर बाबोसा भगवान का रूप धारण कर लेते हैं। यह नृत्य वाटिका भक्तों को काफी पसंद आई। श्री अनिल लाटा के पश्चात् अरूण सुराणा ने भी कुछ मधुर भजन प्रस्तुत किये।

बाईसा ने तांती वितरण प्रारंभ कर दिया। भक्तों की लंबी कतार लग गई, तांती लेने के लिये। हजारों भक्तों ने बाईसा से तांती प्राप्त की। भक्तों ने सुस्वाद भंडारे का भी भरपूर आनंद उठाया।

समारोह में जैन संस्कृति परिषद् की तरफ से श्री त्रिलोक चंद डागा, श्री नौतरन मल बोथरा, डा. सुभाष दूगड़ आदि सद्स्यों द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर बाईसा का नागरिक अभिनंदन किया गया। डा. सुभाष दूगड़ ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। कोलकाता की महिला भक्तों द्वारा चुनड़ी ओढ़ा कर बाईसा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का प्रतीक चिहन एवं कृपा–सागर ग्रंथ भेंट कर स्वागत किया गया।

श्री संजय कोठारी जी के नेतृत्व में बाबोसा भक्त मंडल बाबोसा कमांडो फोर्स एवं बाबोसा की लाडली ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अथक प्रयत्न किया। इसके पूर्व 31 जनवरी को कोलकाता एयरपोर्ट पर प. आ. मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी का पुष्पहार एवं मंगल तिलक लगा कर भव्य स्वागत किया गया। भक्तगण हम बाबोसा वाले हैं के पोस्टर अपने हाथों में लेकर उपस्थित थे। एयर पोर्ट से बाईसा सीधे श्री संजय, मनोज कोठारी के निवास स्थान पर पधारीं। यहां शाम को मधुर भजन संध्या का आयोजन किया गया था, जिसमें सैकड़ों भक्त शामिल हुए। श्री अनिल लाटा ने कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। उनके पश्चात् श्री अजय बैद ने भी कुछ भजन प्रस्तुत किये। श्री बाबोसा भगवान ने कृपा बरसाते हुए अपने दिव्य दर्शन प्रदान किये। कार्यक्रम के पश्चाश्त् भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया। 2 फरवरी को प्रातः श्री पवन नाहटा के निवास पर भजनों का कार्यक्रम रखा गया। प. आ. मंजु बाईसा ने ज्योत प्रज्ज्वलित की। श्री अरूण सुराणा एवं अजय बैद ने कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। यहाँ भी श्री बाबोसा भगवान ने कृपा बरसाते हुए दिव्य दर्शन दिये। कार्यक्रम के पश्चात् भंडारे की भी व्यवस्था की।

तकनीकी खामियों के कारण हम कोलकाता अतिथि स्वागत एवं कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण तस्वीरें प्रकाशित नहीं कर पा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि इन्हें हम अपने आगामी अंक में प्रकाशित कर पायें।

दिल्ली में जन्मोत्सव का विशेष कार्यक्रम

दिल्ली 29 जनवरी – आज यहाँ परम आराधिका मंजु बाईसा के पावन सान्निध्य में कोलकाता के मुख्य कार्यक्रम के पूर्व श्री बाबोसा जन्मोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाईसा चूंकि मुख्य दिवस पर कोलकाता पधारती हैं, अतः दिल्ली के भक्त उसके पूर्व रविवार को दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

श्री बाबोसा मंदिर में विशेष केक बनाया गया। टॉय ट्रेन की शक्ल की इस केक की लंबाई लगभग 24 फीट थी। इसके अलावा सैकड़ों भक्तों ने विभिन्न आकृतियों के व्यक्तिगत रंग बिरंगे केक लगाकर श्री बाबोसा भगवान को भोग लगाया।

प्रातः भजनों के कार्यक्रम में श्री अजय बैद, अरूण सुराणा, राकेश चिंडालिया, राहुल बैद ने जन्मोत्सव के विशेष भजनों से कार्यक्रम में रंग जमा दिया। भजनों के साथ ही दर्शन का सिलसिला भी चलता रहा। हजारों भक्तों की लंबी कतार लगी हुई थी। लगभग 3.30 बजे तक भक्तों ने दर्शन किये। परम आराधिका मंजु बाईसा के साथ हाथों में केक लेकर कई भक्तों ने बाईसा के साथ फोटो खिचवाई व Selfie भी ली।

सभी भक्तों के लिये विशाल भंडारे की भी व्यवस्था की गई थी।

इसके अतिरिक्त दिल्ली के कई मंदिरों में मुख्य जन्मोत्सव दिवस 1 फरवरी को भंडारे एवं भजन संध्या के कार्यक्रम रखे गये। श्री राकेश चिंडालिया, दीपक दूगड़, भरत छाजेड़, आशु जिंदल इत्यादि भक्तों ने विभिन्न मंदिरों में अलग–अलग ग्रुप बना कर भजनों के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बाबोसा कमांडो फोर्स के कमांडोजल् श्री हर्ष कोठारी के मार्ग दर्शन में विभिन्न मंदिरों के भंडारे एवं भजन संध्याओं के कार्यक्रमों की बहुत अच्छी तरह से व्यवस्था की। इन व्यवस्थाओं में उन्हें नौरतन छाजेड़, मोहित दूगड़, अमित मग्गू, तरूण धींगड़ा, वरुण धींगड़ा इत्यादि भक्तों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

फाजिल्का, में मंदिर का भव्य लोकार्पण

श्री बालाजी बाबोसा मंदिरों के निर्माण की अनवरत श्रृंखला में 2 और नाम जुड़ गये हैं, जब परम आराधिका मंजु बाईसा ने अपने पावन कर–कमलों से हजारों भक्तों की उपस्थिति में 2 मंदिरों का लोकार्पण किया, जिनका विवरण हम यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं।

17 जनवरी, फाजिल्का (पंजाब) बीकानेरी रोड़ यहाँ प्रातः लगभग 11 बजे श्री सनातम धर्म सभा बावड़ी के प्रांगण में परम आराधिका मंजु बाईसा ने लाल फीता काट कर मंदिर का लोकार्पण किया। बाबोसा राष्ट्रीय मंदिर जीर्णोद्धार समिति के तत्त्वावधान में निर्मित मंदिर को फूलों से खूबसूरती से सजाया गया था। लोकार्पण के पूर्व एक भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें सैकड़ों बहनों ने मंगल–कलश उठाये थे।

परम आराधिका मंजु बाईसा के द्वारा लोकार्पण के पश्चात् भजनों का कार्यक्रम रखा गया। श्री अजय बैद ने मंत्रोच्चार के साथ–साथ कई भजन प्रस्तुत किये। इन भजनों पर भक्तों ने खूब नृत्य किया। श्री देव चुघ, हनुमानगढ़, ने भी अपनी मधुर आवाज में भजन प्रस्तुत किये।

भजनों के कार्यक्रम के पश्चात् बाईसा ने नवग्रह मंदिर शिव–लिंग स्थापना, माता जी एवं बाला जी के पश्चात् श्री बाबोसा भगवान की मूर्ति के नेत्र खोले। मंदिर स्थापना में विशेष सहयोग प्रदान करने के लिये श्री अजय सावनसुखा, श्री सुरेन्द्र सोनावत, श्री राजीव गोयल को बाईसा ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथिगण ब्रिगेडियर मुरारी प्रसाद सिंह,, श्री राकेश धूड़िया (प्रधान, नगर कौंसिल), डा. विजय सचदेवा, श्री रमेश गुप्ता, श्री लीलाधर शर्मा (पंजाब केशरी), श्री विनोद बजाज का भी भक्तमंडल की तरफ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर विशाल लंगर (भंडारा) भी लगाया गया।

I OM BABOSA I

Special Consideration for Babosa Bhakts

A Trusted Name in Real Estate

Arihant Jain

❶Floors ❶Plots ❶Kothies

BALA JI BABOSA ASSOCIATES

Builders & Properties Consultants

53,G.F. Pocket-21, Sector-24, Rohini, Delhi-85
Ph. : 011-27932153 (M) 9350267071, 9711434421
E-mail : arihant_193@rediffmail.com

श्री बाबोसा दर्शन

श्री गंगानगर में मंदिरों का भव्य लोकार्पण

18 जनवरी, यहाँ श्री बालाजी बाबोसा मंदिर के निर्माण के उपलक्ष में पंच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये गये। 14 से 17 फरवरी तक पूजा, आरती, मूर्तियों का महास्नान, नगर–परिक्रमा इत्यादि कार्यक्रम रखे गये। 18 ता॰ को हवन–कीर्तन, प्राण–प्रतिष्ठा, अभिषेक एवं भंडारा रखा गया था। इस मंदिर में श्री बाबोसा भगवान के साथ श्री गणेश दरबार, श्री बालाजी दरबार, श्री सांईनाथ दरबार, श्री रामदेव दरबार, श्री राधा कृष्ण दरबार, श्री शिव परिवार दरबार, श्री दुर्गा माता दरबार, श्री राम दरबार व रानी सती दरबार की भी स्थापना की गई।

हनुमानगढ़ रोड़ पर स्थापित इस भव्य मंदिर में परम आराधिका मंजु बाईसा ने पर्दा–हटा कर लोकर्पण किया। उनके सान्निध्य में महाभिषेक एवं प्रथम आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात् मंदिर के समक्ष प्रांगण में बाईसा के सान्निध्य में भजनों का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें स्थानीय गायक श्री अनिल अग्रवाल, श्री अनिल मदान, श्री नवीन सिंघल एवं अरूण सुराणा ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। भजनों पर भक्तों ने भावना से ओतःप्रोत होकर खूब नृत्य किया।

श्री बाबोसा भगवान ने भक्तों की पुकार पर अपने दिव्य दर्शन देते हुए वरद्–हस्त उठा कर सभी भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। आरती के साथ कार्यक्रम के समापन के उपरात भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

मंदिर निर्माण एवं कार्यक्रम में विशेष सहयोग हेतु श्री अजय अग्रवाल संजय अग्रवाल, नवीन सिंगल, सुशील सिंगल, गोवरधन दास बंसल, अनिल मदान, राकेश झूंथरा, विपिन शर्मा इत्यादि भक्तों को बाईसा ने बाबोसा कृपा–सागर ग्रंथ प्रदान कर अपना आशीर्वाद दिया।

गिदड़ाबाली (अबोहर) मंदिर में बाईसा का पदार्पण

फाजिल्का और श्री गंगानगर के अपने व्यस्त कार्यक्रम के मध्य परम आराधिका मंजु बाईसा 18 ता॰ के रात्रि लगभग 8:30 बजे श्री बालाजी बाबोसा मंदिर, गिदड़ाबाली पधारीं। यहाँ श्री अरूण सुराणा ने कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। सभी भक्तों ने बाईसा से आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

दौहित्र प्राप्ति की खुशी में विशाल भजन संध्या

दिल्ली–8 जनवरी–2017, आज श्री सतीश मालपाणी ने दौहित्र (पुत्री का पुत्र) प्राप्ति के अवसर पर वजीरपुर के भव्य बैंकेट हॉल ग्रीन लांज के प्रांगण में एक मधुर भजन संध्या का आयोजन किया।

हॉल के अंदर एक भव्य दरबार लगाया गया, जिसमें श्री बाबोसा भगवान को मनमोहक श्रृंगार के साथ विराजमान किया गया। सांय 8 बजे परम–श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी ने पधार कर सर्वप्रथम दीप–प्रज्ज्वलन किया, जिसमें श्री मालपाणी जी एवं उनके पारिवारिक जन भी शामिल हुए। तत्पश्चात् श्री बाबोसा भगवान के जाप एवं मंत्रोच्चारों के बीच उन्होंने पावन ज्योत प्रज्ज्वलित की।

ज्योत प्रज्ज्वलित होते ही श्री भरत छाजेड़ ने पावन गणेश–वंदना से कार्यक्रम को प्रारंभ किया। तत्पश्चात् उन्होंने बाबोसा भगवान के कई मधुर भजन जैसे–''दिल में नाम तेरा है, तूं भगवान मेरा है'', ''प्रेम का धागा, तुमसे बांधा'' प्रस्तुत किये। इसी दौरान परम आराधिका मंजु बाईसा का पदार्पण हुआ। भक्तों ने अत्यंत श्रद्धा भाव से बाईसा का हार्दिक स्वागत किया।

बाईसा ने अपना आसन ग्रहण करते हुए कुछ पलों के लिये श्री बाबोसा भगवान के चरणों में ध्यान लगाया एवं तत्पश्चात् ज्योत में घृताहुति दी। अब भजनों का दौर फिर से प्रारंभ हुआ। श्री राहुल बैद ने कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। उनके बाद श्री अजय बैद ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कई नये–एवं पुराने भजन प्रस्तुत किये। भजनों की कड़ी पिरोते हुए उन्होंने बाबोसा भगवान से दर्शन देने हेतु कुछ आह्वान के भजन प्रस्तुत किये। मालपाणी परिवार की प्रगाढ़ भावना एवं उपस्थित भक्तों की मनुहार सुनकर बाबोसा भगवान ने अपने पावन दर्शन देते हुए वरद्–हस्त उठा कर सभी भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

अंत में श्रृंगारिक आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ एवं भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

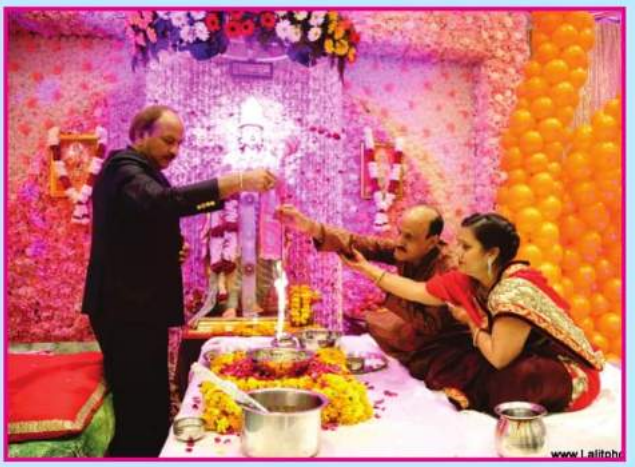

बी. एस. एफ. चौकी, सादकी में मूर्ति स्थापना

18 जनवरी–2017, बाबोसा भक्त मंडल के लिये आज का दिन स्वर्णिम कहा जायेगा। क्योंकि मंदिर तो कई बने हैं, मूर्तिया भी कई शहरों में लगी है, किंतु भारत–पाक सीमा, सादकी में बी. एस. एफ. चौकी के मंदिर में श्री बाबोसा भगवान की मूर्ति स्थापना का अपना अलग ही महत्त्व है।

यहाँ फाजिल्का में मंदिर लोकर्पण के पश्चात् सायं लगभग 4 बजे प॰ आ॰ मंजु बाईसा ने अपने पावन कर–कमलों से श्री बाबोसा भगवान की मूर्ति की स्थापना की। मूर्ति स्थापना के साथ चौकी पर उपस्थित जवानों ने भजनों का कार्यक्रम रखा और जब उनको अरूण सुराणा का साथ मिल गया तो उनका जोश देखने लायक था।

भजनों के कार्यक्रम के पश्चात् परम आराधिका मंजु बाईसा ने अपने पावन कर–कमलों से श्री बाबोसा भगवान की मूर्ति स्थापना की। मूर्ति स्थापना के पश्चात् ब्रिगेडियर श्री एम. पी. सिंह ने बाईसा को भारत–पाकिस्तान बॉडर्र पर बहने वाली नदी पर नौका–यात्रा करवाई। इस कार्यक्रम का सबसे रोमांचकारी अनुभव था दोनों तरफ की सेनाओं द्वारा ध्वजा सलामी एवं परेड। भारतीय सेनाओं के जोश और पराक्रम को देख कर सभी भक्तों को उन पर गर्व हुआ। लगभग 40 मिनट तक चले इस कार्यक्रम में भी बिग्रेडियर एम. पी. सिंह बाईसा के साथ ही बैठे रहे। इसके अलावा वे बाईसा को उस बुद्ध सभागार में भी लेकर गये जहाँ भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों की समय–समय पर औपचारिक मीटिंग होती है।

सारे कार्यक्रमों के पश्चात सायं लगभग 6.00 बजे ब्रिगेडियर साहब ने अपने जवानों के साथ पूरे सम्मान के साथ बाईसा को विदा किया।

नैया बाबोसा किनारे लगायेंगें

बोर्डर पर लगभग आधे घंटे तक नौका–यात्रा करने के बाद जब नाव को वापस किनारे लगाने का वक्त हुआ तो बीच मझधार में ब्रिगेडियर साहब ने नाव का चप्पू चलाना छोड़ दिया। जब इनसे कहा गया कि चप्पू नहीं चलायेंगे तो नाव किनारे कैसे लगेगी, तो उन्होंने विश्वास पूर्वक हंस कर कहा कि जिसने लाखों की जिन्दगी को किनारा दिया है, वे इस नाव को भी किनारा देंगे। उनका इशारा बाबोसा भगवान एवं नाव में बैठी मंजु बाईसा की तरफ था। हम लोगों को आश्चर्य हुआ कि आज ही बाईसा से मिले हैं और आज ही इतना भरोसा। वे अपनी बात पर कायम रहे और देखते ही देखते आश्चर्यजनक रूप से नाव अपने स्थान पर किनारे पर आ गई।

श्री बाबोसा दर्शन

गुजरात में प्रथम बार सजा Babosa Aqua World

विस्तृत रिर्पोट पृष्ठ 9 पर

भजनों की मस्ती में झूमे भक्त गण

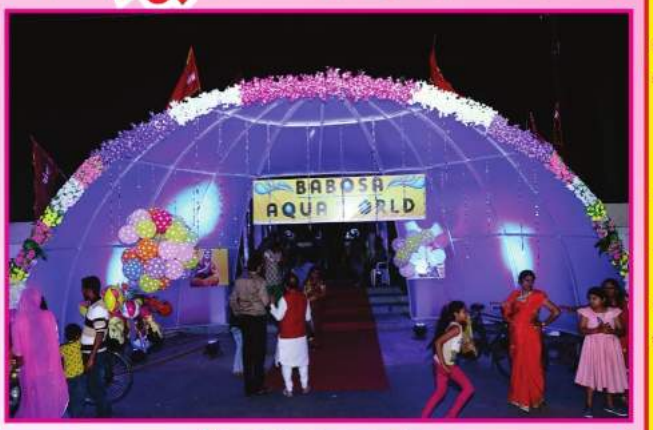

गुजरात में प्रथम बार सजा Babosa Aqua World

सूरत 5 मार्च, आज यहाँ वेसू कॉलोनी के साई पार्टी प्लॉट में श्री बाबोसा भगवान के पावन वार्षिकोत्सव पर खूबसूरत बाबोसा जल दरबार सजाया गया। नई तकनीक पर आधारित यह दरबार 2 वर्षों पूर्व दिल्ली में लगाया गया था। और आज गुजरात में प्रथम बार जब यह दरबार सजाया गया तो लोगों के लिये यह रोमांचक अनुभव साबित हुआ।

सायं लगभग 6 बजे परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी दरबार में पधार गये। उन्होंने हमेशा की तरह सर्वप्रथम बाबोसा भगवान के चरणों में कुछ देर ध्यान लगाया। तत्पश्चात् उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित किये, जिसमें उपस्थित गणमान्य अतिथिगण ने भी उनका साथ दिया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही श्री सुरेश जोशी ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने वीर बजरंबली एवं बाबोसा भगवान के कई मधुर भजन प्रस्तुत किये।

इसी दौरान लगभग 8.30 बजे प॰ आ॰ मंजु बाईसा का पंडाल में पदार्पण हुआ। पंडाल भक्तों से खचाखच भरा हुआ था। बाईसा के स्वागत में सभी भक्त अपने–अपने स्थानों पर खड़े हो गये। उन्होंने पुष्प–वर्षा कर बाईसा का भव्य स्वागत किया। बाईसा दरबार की तरफ अपने पावन चरण कमल आगे बढ़ा रही थीं। उधर "जिन्हें मिली है बाबोसा की शक्ति अपरंपार" गीत पूरे पंडाल में गूंज रहा था। गजब का माहौल था। भक्त बाईसा के कदमों को निहार रहे थे। बाईसा भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हुई दरबार में पधारीं। उन्होंने अपना आसन ग्रहण करते हुए ज्योत में घृताहुति दी।

अब भजनों के माध्यम से कार्यक्रम को आगे बढ़ाने हेतु उमा लहरी जयपुर को आमंत्रित किया गया। उन्होंने आते ही मधुर भजनों की झड़ी लगा दी।

"मैं तो जैसा भी हूं जो कुछ भी हूं किसके पीछे, बाबोसा तेरे पीछे", "उड़ जा काला कागला बाबोसा आये हैं", "कीर्तन की है रात बाबोसा आज थाने आनो हैं", इत्यादि एक के बाद एक भजनों की लगातार अमृत वर्षा पर रीझ गये कृपा सागर और अपने दिव्य दर्शन देकर भक्तों को निहाल कर दिया। वीर बजरंगली की शक्ति के रूप में चमत्कारिक दर्शन ने ऐसा प्रभाव डाला कि एक–एक भक्त उनके चरणों में नत–मस्तक हो गया। भक्तों ने बाबोसा की कृपा को अपनी झोलियों में समेट लिया। भक्तों को आशीर्वाद लुटाने के पश्चात् परम आराधिका मंजु बाईसा पूर्व स्थिति में आ गईं।

भजनों का दौर पुनः प्रारंभ हो गया। अब उमा लहरी ने धमाल, होली, खाटू श्याम जी, हनुमान जी इत्यादि भजन भी प्रस्तुत किये। इधर भक्त उनके भजनों का लगातार आनंद उठा रहे थे, उधर भक्तों ने लंबी कतारें लगा ली भक्तों की लंबी कतार को देखते हुए बाईसा ने भजनों के साथ–साथ तांती देनी भी शुरू कर दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में सैकड़ों भक्तों ने बाबोसा भगवान को सवामणी का भोग लगाया। पधारे हुए अतिथिगण को प्रतीक चिन्ह एवं कथा सागर ग्रंथ भेंटकर सम्मानित किया गया। अंत में भक्तों ने विशाल भंडारा ग्रहण किया। इसके पूर्व सूरत पधारने पर बाईसा का भव्य स्वागत किया गया। आज पंचमी का दिन था, अतः संध्या आरती हेतु श्री राकेश धर्मेंद्र भंसाली के निवास स्थान पर एक संक्षिप्त कार्यक्रम रखा गया। यहां श्री अजय बैद एवं अरूण सुरणा ने भजनों की प्रस्तुति दी।

दिनांक 4 मार्च को बाईसा के सान्निध्य में सूरत के विभिन्न मंदिरों में श्री बाबोसा भगवान की विशेष आरती के कार्यक्रम रखे गये। जिन मंदिरों में आरती के कार्यक्रम रखे गये, वो इस प्रकार हैं।

1. श्री भावनेश्वर बालाजी बाबोसा मंदिर, गोड़ाद्रा
2. श्री कष्टभंजन हनुमान मंदिर त्रिकमगर
3. श्री काशी विश्वनाथ बालाजी बाबोसा मंदिर, अल्थान
4. श्री मंगलेश्वर महादेव बाबलाजी बाबोसा मंदिर, भटार रोड
5. श्री बालाजी बाबोसा मंदिर, वेसु

कार्यक्रम के आयोजन में कई सामाजिक सगठनों का सहयोग प्राप्त हुआ जिसमें श्री सालासर बालाजी नवयुवक मंडल, एवं हेल्पिंग हैंड का नाम प्रमुख है।

BAGHBAN BABOSA
JAI SHREE BABOSA
BAGHBAN BABOSA
(UNIT OF CAPITAL CARPET EXIM PVT.LTD.)
PRASAN KUMAR ADITYA BHUTORIA
THE WORLD OF FURNISHINGS & FLOORINGS

CURTAINS | SOFA CLOTH | BEDSHEETS | BED & BATH ACCESSORIES
BLINDS | SHOW PIECES | CROCKERY | CARPETS & MATS
61, Harsh Vihar, Pitampura, Near Canara Bank, Delhi-34
Ph.: 011-27013405-04-03 E-mail : info@bbfurnishing.com
Website : www.bbfurnishing.com

श्री बाबोसा दर्शन

हैदराबाद में श्री बाबोसा मंदिर का भव्य लोकार्पण

हैदराबाद–26 जनवरी 2017, परम आराधिका मंजु बाईसा द्वारा आज यहा पैलेस कॉलोनी, वशीरबाग में श्री राम मंदिर प्रांगण में बाबोसा देवस्थान में श्री बाबोसा भगवान के भव्य मंदिर का लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण के पूर्व बिड़ला मंदिर से एक शोभा यात्रा निकाली गई। बाबोसा रथ पर परम आराधिका मंजु बाईसा विराजमान थीं। रथ के आगे मंगल–कलश धारी सैकड़ों महिलाओं के अतिरिक्त ध्वजाधारी भक्त चल रहे थे। **इसके अलावा पुणे के ढोल भी अपने गगनभेदी ढोल'नगाड़ों की गूंज से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।**

शोभायात्रा के मंदिर प्रांगण में पहुंचने पर बाईसा का भव्य स्वागत किया गया। बाईसा जब अपने आसन पर विराजमान हो गईं तो भजनों का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। श्री अजय बैद ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् उपेंद्र शर्मा उर्फ बाबा भाई ने माता रानी और बाबोसा भगवान के कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। इसके बाद बाईसा ने बाबोसा भगवान के आंखों की लाल पट्टी खोल कर प्राण–प्रतिष्ठा की रस्म पूरी की। उन्होंने बाबोसा भगवान का अभिषेक किया। श्री अरूण सुराणा ने भजनों के कार्यक्रम को जारी रखते हुए कई मधुर भजन प्रस्तुत किये।

अंत में श्री बाबोसा भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ और भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बाबोसा भक्त मंडल के साथ बाबोसा कमांडो फोर्स एवं बाबोसा की लाडली का सराहनीय श्रम–योगदान राहा। उपस्थित अतिथियों को बाबोसा कृपा सागर ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया गया।

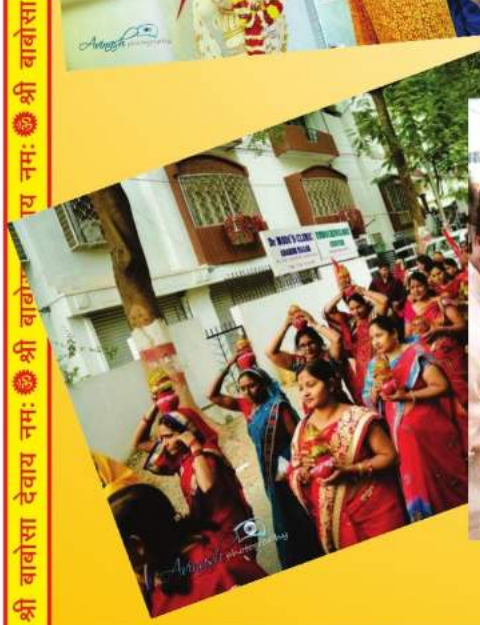

परम आराधिका मंजु बाईसा के जन्मोत्सव के अवसर पर श्री बालाजी बाबोसा द्वार का निर्माण

दिल्ली श्री बालाजी बाबोसा मंदिर के प्रवेश मार्ग पर एक विशाल बाला जी बाबोसा द्वारा का निर्माण किया गया है। परम आराधिका मंजु बाईसा के पावन जन्मोत्सव फुलेरा दूज (फाल्गुन शुक्ल दूज) के दिन इस भव्य द्वार का उद्घाटन किया गया। इसके निर्माण में बाबोसा भक्तमंडल सवं बाबोसा कमांर्डो फोर्स ने अपनी महत्वपूर्ण सेवायें प्रदान की।

परम आराधिका मंजु बाईसा द्वारा जब द्वार का उद्घाटन किया गया तो भक्तों ने जयकारे लगा कर अपनी खुशियों का इजहार किया। द्वार के उद्घाटन के पश्चात् एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें भजनों के अलावा कई भक्तों ने नृत्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में श्री देवेंद्र सोलंकी (पार्षद) मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

दिल्ली में एक और बाबोसा मंदिर का लोकार्पण

दिल्ली–17 मार्च, वैसे तो प॰ आ॰ मंजु बाईसा का जन्मोत्सव फागुन शुक्ल द्वितीया, फुलेरा दूज को मनाया जाता है, लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह दिन 17 मार्च को मनाया जाता है। अतः आज भक्तों ने बाईसा के अंग्रेजी तिथि के अनुसार जन्मोत्सव के उपलक्ष में श्री विश्वकर्मा बालाजी बाबोसा मंदिर का तोहफा प्रदान करने का निर्णय लिया। इसी के अंतर्गत आज शाहबाद डोयरी में मुख्य मार्ग पर श्री विश्वकर्मा बालाजी बाबोसा मंदिर का लोकार्पण किया गया। मंदिर लोकार्पण के पूर्व स्थानीय भक्तों ने बैंड बाजा के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें ध्वजायें एवं कलश धारी महिलायें बाबोसा रथ की अगवानी में चल रही थीं। शोभायात्राा के मंदिर के समक्ष पहुंचने पर भक्तों ने भजनों एवं बैंड की धुनों पर जमकर नृत्य किया। तत्पश्चात् परम आराधिका मंजु बाईसा ने अपने पावन कर–कमलों से लाल फीता काट कर मंदिर का लोकर्पण किया। लोकार्पण के पश्चात् बाईसा ने शिव परिवार, माता रानी, राधा कृष्ण, शनिदेव, बजरंगली एवं विश्वकर्मा भगवान की मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा थी।

श्री बाबोसा भगवान की मूर्ति में प्राण–प्रतिष्ठा के पूर्व थोड़ी देर भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री राहुल बैद एवं भरत छाजेड़ ने कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। अंत में श्री बाबोसा भगवान की आरती के पश्चात् भक्तों ने **भंडारा ग्रहण किया।**

पुत्री के विवाह के उपलक्ष में भजन संध्या

दिल्ली 11 फरवरी, आज श्री सुरेन्द्र–कनक कोठारी ने अपनी सुपुत्री के विवाह के उपलक्ष में श्री बालाजी बाबोसा मंदिर में मधुर भजन संध्या का आयोजन किया।

सायं लगभग 8 बजे परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी मंदिर में पधार गये। उन्होंने बाबोसा भगवान की पावन ज्योत प्रज्ज्वलित की। इसी के साथ श्री राहुल बैद ने श्री गणेश जी की आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके द्वारा भजनों की प्रस्तुति के दौरान प॰ आ॰ मंजु बाईसा का पदार्पण हो गया। सभी भक्तों ने बाईसा का हार्दिक स्वागत किया। बाईसा द्वारा अपना आसन ग्रहण करने के पश्चात् भजनों का कार्यक्रम पुनः प्रारंभ हुआ। श्री भरत छाजेड़ ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कई मधुर एवं नृत्य प्रधान भजन प्रस्तुत किये। श्री अजय बैद ने विदाई गीत "बाबोसा मेरी बेटी को रखना सदा खुशहाल" प्रस्तुत किया।

अंत में श्रृंगारिक आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

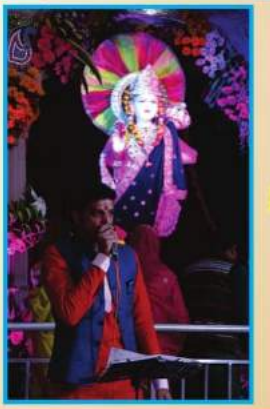

होली का रंगारंग कार्यक्रम

दिल्ली–होली देश का एक प्रमुख त्योहार है। यह त्योहार जहाँ प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है, वहीं रंगों की फुहार जीवन में नव–तरंगें भी प्रवाहित करती हैं। ऐसा ही नजारा देखने को मिला बाबोसा धाम में जब प॰ आ॰ मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई के सन्निध्य में श्री बालाजी बाबोसा मंदिर में होली का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक भजनों का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें श्री अरूण सुराणा एवं भरत छाजेड़ ने होली के विशेष भजन प्रस्तुत किये। इन भजनों पर भक्तों ने भक्ति रस में सरोबार होकर खूब नृत्य किया। तत्पश्चात् भक्तों ने एक दूसरे को रंग लगा कर होली का आनंद उठाया।

ऐतिहासिक निगम बोध घाट में ऐतिहासिक मूर्ति स्थापना

दिल्ली, 17 मार्च–आज का दिन बाबोसा भक्तों के लिये ऐतिहासिक कहा जायेगा। मंदिर तो कई बनते हैं, लेकिन आज जहां श्री बाबोसा भगवान की मूर्ति स्थापना हुई वह अपने आप में इतिहास बन गया। स्थान था दिल्ली का प्रसिद्ध निगम बोध घाट जो दाह–संस्कार के लिये दिल्ली का प्रमुख स्थान है। इस घाट में कई राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों का दाह–संस्कार किया गया है। यहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में दाह–संस्कार किये जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस घाट की देख–रेख बड़ी पंचायत वैश्य बीसे अग्रवाल संस्था द्वारा किया जाता है।

यह संस्था लगभग 115 वर्षों पूर्व स्थापित की गई थी, जो दिल्ली अग्रवाल समाज की सबसे बड़ी संस्था है। इनकी देख रेख में निगम बोध घाट की व्यवस्थाओं में आमूल–चूल परिवर्तन हुआ है। दाह–संस्कार स्थल होते हुए भी इस स्थान का काफी सौन्दर्यीकरण किया गया है। इसके अलावा यहाँ काफी सुविधा स्थल भी विकसित किये गये हैं। यहाँ भगवान शिव की एक विशाल प्रतिमा स्थापित है। बाबोसा भक्तमंडल एवं अग्रवाल सभा के प्रयास से इसी शिव–प्रतिमा के साथ श्री बाबोसा भगवान की प्रतिमा भी स्थापित की गई। सायं लगभग 3.15 बजे प. आ. मंजू बाईसा ने जब प्रतिमा का अनावरण किया तो बाबोसा भगवान के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री अजय बैद ने इस स्थान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बाबोसा भगवान और भगवान शिव के संबंध को भी उजागर किया। अग्रवाल सभा के महामंत्री ने सभा के कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर बाबोसा भक्तमंडल द्वारा अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री महानंद प्रसाद सिंघल, महामंत्री श्री सुमन कुमार गुप्ता, श्री जुगल अग्रवाल, श्री अमित गुप्ता एवं सभा के अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का माल्यार्पण एवं कृपा सागर ग्रंथ से स्वागत किया गया। सभा की तरफ से भी परम आराधिका मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया।

इसके पश्चात् बाईसा को सभा की ऑफिस में आमंत्रित किया गया, जहां अध्यक्ष, मंत्री एवं अन्य सदस्यों ने आगामी कार्यक्रमों एवं बाबोसा भक्त मंडल द्वारा संभावित सहयोग पर चर्चा हुई।

पौत्री के जन्म दिवस पर विशाल भजन संध्या

दिल्ली–19 मार्च : आज श्री राजेंद्र श्री चौरड़िया ने अपनी पौत्री की प्रथम सालगिरह के उपलक्ष में श्री बाबोसा भगवान की विशाल भजन संध्या का आयोजन किया। मॉडल टाउन में अग्रवाल भवन में मनमोहक दरबार लगाया गया। पारविारिक सदस्य प. आ. मंजु बाईसा, परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी का इंतजार कर रहे थे। सर्वप्रथम लगभग 8 बजे परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी का आगमन हुआ। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ भाई जी ने पहले दीप प्रज्ज्वलित किये एवं बाद में ज्योत प्रज्ज्वलित की।

श्री भरत छाजेड़ ने गणेण वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् "दिल में नाम तेरा है" "हारे हारे हारे, तुम हारे के सहारे" इत्यादि भजनों से कीर्तन को बाबोसा बनाया।

इसी दौरान प. आ. मंजु बाईसा का पदार्पण हुआ। बाईसा का भक्तों ने भावनापूर्वक तरीके से स्वागत किया। जब बाईसा अपने आसन पर विराज गई तो श्री राहुल बैद ने भजनों की कमान सम्हाल ली। भजनों की लहरों के मध्य श्री बाबोसा भगवान के पदार्पण का अहसास होने लगा। श्री अजय बैद, राहुल बैद एवं भरत छाजेड़ ने भजनों की माला पिरोते हुए आह्वान किया तो बाबोसा भगवान ने अपने प्यारे दर्शन देकर सभी भक्तों की भावना को पूर्ण किया।

इसके पश्चात् परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री शुभ करण चौरडिया जी की शादी की सालगिरह भी मनाई गई। श्री जैन श्वेत ते. सभा मॉडल टाउन की तरफ से अध्यक्ष श्री विनोद भंसाली एवं अन्य सदस्यों ने श्री राजेंद्र जी को बाधाई पत्र भेंट किया।

अंत में केक काट कर नन्हीं गुड़िया का जन्म दिवस मनाया गया। श्रृंगारिक आरती के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई एवं भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

महाशिवरात्रि का आयोजन

दिल्ली–24 फरवरी, आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रातः परम आराधिका मंजु बाईसा के सान्निध्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः आरती के पश्चात् "ऊँ नमः शिवाय" जाप के साथ परम आराधिका मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धय श्री प्रकाश भाई जी ने फलों से विशिवलिंग का अभिषेक किया। इस अवसर पर सैकड़ों भक्त उपस्थित थे।

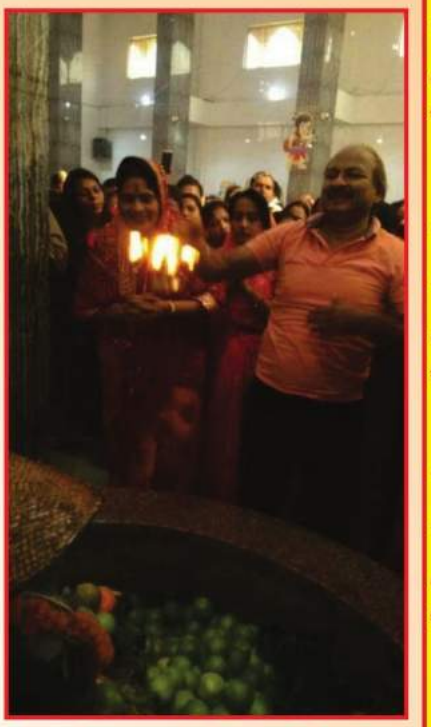

मातृ - शोक

श्रीमती इचू देवी गोलछा (धर्मपत्नी स्व. श्री काशीराम जी गोलछा) का दिनांक 27 मार्च 2017 को 93 वर्ष की आयु कोलकाता में निधन हो गया। आप परम बाबोसा भक्त थीं। बाबोसा भगवान के प्रति आपके मन में अटूट आस्था थी। आपके तीन सुपुत्र श्री जय गोलछा (कोलकाता), श्री अशोक एवं अजय गोलछा (हैदराबाद) बाबोसा भगवान के समर्पित भक्त है। श्रीमती इचू देवी गोलछा के जीवन में अनेक संघर्ष आये, लेकिन वो संघर्षों से कभी विचलित नहीं हुई। विषम परिस्थितियों में भी अपने परिवार को एकता के सूत्र में बांधे रखा। मनमोहक मुद्रा एवं सदैव मुस्कुराते रहना आपकी आदत थीं। आपका निधन गोलछा परिवार ही नहीं बल्कि समस्त बाबोसा परिवार के लिये एक अपूरणिय क्षति है।

बाबोसा दर्शन परिवार दिवंगत आत्मा को हार्दिक श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए श्री बाबोसा भगवान से उन्हें अपने चरणों में स्थान देते हुए शांति प्रदान करने की विनती करता है।

स्मृति शेष

हमें सूचित करते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि समर्पित बाबोसा भक्त संतोष देवी बैंगानी का 56 वर्ष की आयु में अचानक दिल्ली में स्वर्गवास हो गया। वे श्री हंसराज बैंगाणी बीदासर–दिल्ली की धर्मपत्नी थीं। उनको 2 पुत्रियां शालिनी, मोहित दूगड़, निकिता हनीष जैन एवं एक पुत्र अरिहंत हैं। पूरा परिवार श्री बाबोसा भगवान के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। उनके निधन पर श्री तेरापंथ भवन, रोहिणी में एक स्मृति सभा का आयोजन किया गया, जिसमें काफी बाबोसा भक्त उपस्थित थे। श्री अजय बैद ने इस अवसर पर शोक संतप्त परिवार के लिये हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

बाबोसा दर्शन परिवार दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए श्री बाबोसा भगवान से उन्हें अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता है। हमारी हार्दिक श्रद्धांजलि !!

निःसंतान दंपत्ति शिविर

आज दिनांक 19 जनवरी को श्री बालाजी बाबोसा मंदिर में इंटरनेशलन फर्टिलिटी सेंटर के सहयोग से निःसंतान दंपत्ति शिविर का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में इस कार्यक्रम में कई निःसंतान दंपतियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया।

श्री बाबोसा दर्शन

परम आराधिका मंजु बाईसा के सान्निध्य एवं परम श्रद्धेय प्रकाश भाईजी के मार्ग दर्शन में

श्री विशाल बाबोसा भजन संध्या, दिल्ली

दिनांक :
1 मई 2017,
सांय 7.15 बजे

स्थान :
गीता बाल भारती
पब्लिक स्कूल ग्रांउड,
शंकर नगर,
रघुवरपुरा मेन रोड,
दिल्ली

भजनामृत वर्षा :
मुकेश बागड़ा (जयपुर)
अरूण सुराणा (कोलकाता)

भंडाराकीर्तन के उपरांत

सर्म्पक सूत्र : 9312210377, 9999110074, 9999407280

श्री विशाल बाबोसा उत्सव, गुवाहाटी

दिनांक :
रविवार, 21 मई 2017, प्रातः 9.15 बजे

स्थान :
बृंदावन गार्डन, गौशाला प्रांगण, आठगांव

भजनामृत वर्षा :
मुकेश बागड़ा (जयपुर), अरूण सुराणा (कोलकाता)

संपर्क : 9435348709, 9864044599

आप सभी सपरिवार ईष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

निवदेक : श्री बाबोसा भक्त मंडल (चूरू धाम), बाबोसा कमांडो फोर्स

पूरे देश में मनाया गया बाबोसा जन्मोत्सव की कुछ झलकियां

श्री बाबोसा भगवान का जन्मोत्सव पूरे उत्साह और
उमंग के साथ देश भर में मनाया गया।
यहाँ हम मुख्य कार्यक्रमों की झलकियां प्रस्तुत कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रकाश कोठारी द्वारा श्री बालाजी बाबोसा मंदिर, बाबोसा सिटी, श्री बाबोसा मार्ग, सेक्टर-24, रोहिणी, दिल्ली-85 से प्रकाशित और कुमार आफसेट प्रिंटर्स, IX/1113, गांधी नगर, दिल्ली-110031 से मुद्रित।
संपादक - अजय बैद, S-24, परमपुरी चौक, द्वितीय तल, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 फोन-09868238035 E-mail : babosadarshan@gmail.com, www.babosamerebhagwan.com